OM 18_Page 1 and 2 01-12-2014 20:05 Page 1

विश्व को एक सूत्र में पिरोती है मूल्य शिक्षा -चन्द्र शेखरन

आर.एम. चंद्रशेखरन सभा को सम्बोधित करते हुए। अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी के साथ केक काटते हुए ब्र.कु निर्वैर, ब्र.कु.मृत्युंजय, दादी रतनमोहिनी, ब्र.कु.डॉ. हरीश, ब्र.कु.शिविका तथा अन्य।

दस भाषाओं में संचालित हो रहा है मूल्य शिक्षा का पाठ्यक्रम।

अभी तक 1500 विद्यार्थियों ने एम.बी.ए. कोर्स पूरा किया।

शांतिवन। आज देश में ही नहीं अपितु पूरे विश्व को मूल्यों की शिक्षा देने की आवश्यकता है। मूल्यों के अभाव में ही विश्व में अशांति व अस्थिरता है जिसे यही शिक्षा एक सूत्र में बांध सकती है। ये उद्गार अन्नामलाई विश्व विद्यालय तमिलनाडु के डायरेक्टर डॉ. आर.एम. चन्द्रशेखरन ने व्यक्त किये। मूल्य शिक्षा व अध्यात्म में पी.जी. व एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण लगभग सात सौ विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु अन्नामलाई विश्वविद्यालय और यशवंत राव चौहान विश्वविद्यालय नासिक की ओर से दीक्षांत समारोह का आयोजन ब्रह्माकुमारीज़ के शांतिवन परिसर में किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. आर.एम. शेखरन ने कहा कि शिक्षा का अर्थ केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं होता बल्कि इससे जीवन जीने की कला भी सीखी जाती है। प्राचीन समय में जो भी महापुरुष थे उनका जीवन भी मूल्यों से सम्पन्न था। ब्रह्माकुमारीज़ शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि मूल्यों की शिक्षा द्वारा व्यक्ति का चरित्र निर्माण व मानसिक उन्नति होती है। ये सिर्फ हमें डिग्री नहीं देती बल्कि दिव्यता प्रदान करती है।

अभी तक 1500 विद्यार्थियों ने एम.बी.ए. का कोर्स मूल्य शिक्षा व अध्यात्म में पूरा किया है। यह पाठ्यक्रम दस भाषाओं में संचालित किया जा रहा है।

शिक्षा का अर्थ सिर्फ नौकरी प्राप्त करना नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला सीखना है। मूल्यों के अभाव में विश्व में अशान्ति व अस्थिरता का माहौल, तनाव और अवसाद ग्रस्तता से छुड़ाती है मूल्य शिक्षा – आर.एम. चंद्रशेखरन ने कहा...

प्राचीन गुरुकुल शिक्षा के मार्ग पर चलते हुए अन्नामलाई विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालय ब्रह्माकुमारीज़ के साथ मिलकर मूल्य शिक्षा व अध्यात्म को बढ़ावा देने का एक अद्भुत कार्य कर रहे हैं। यह अभियान युद्ध स्तर का है जिसमें विभिन्न वर्गों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों के ज़रिए मूल्य शिक्षा दी जा रही है। मूल्य शिक्षा में डिप्लोमा, मूल्य शिक्षा में स्नातक तथा एम.बी.ए. कार्यक्रम शुरु किया गया है जिसमें अभी तक लगभग पाँच से सात हज़ार विद्यार्थियों ने मूल्य शिक्षा से लाभ प्राप्त किया है। इसके एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में लगभग पंद्रह सौ विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की है। अभी तक लगभग 6-7 विश्वविद्यालयों ने ब्रह्माकुमारीज़ के साथ एम.ओ.यू. किया है जो इस पाठ्यक्रम को चलाने के निमित्त बने हैं। इसकी डिग्री पूर्णत: मान्य है। यह पाठ्यक्रम दस भाषाओं में संचालित किया जा रहा है जिसमें प्रमुख रूप से हिन्दी, अंग्रेजी, कन्नड़, उड़िया, तमिल, तेलगु आदि भाषायें सम्मिलित हैं।

मूल्य शिक्षा से मानव दिव्यता की ओर होता है अग्रसर – दादियों के श्रीमुख से...

संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी का कहना था कि आध्यात्मिक शिक्षा का मतलब है चरित्र का विकास होना। साथ ही साथ संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी ने भी मूल्य शिक्षा को स्कूल व कॉलेजों में दी जा रही शिक्षा के साथ जोड़ने की प्रेरणा दी और कहा कि ये शिक्षा हमें सिर्फ शिक्षित ही नहीं बनाती बल्कि जीवन जीने की कला व सम्मान देना सिखाती है। संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि वर्तमान शिक्षा पद्धति से व्यक्ति का मानसिक स्तर तो ऊपर उठ गया है लेकिन उसका चरित्र दिन प्रति दिन नीचे गिरता जा रहा है। इसलिए मूल्य शिक्षा सभी जगह आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ.आर.एम. चन्द्रशेखरन ने दादी जी को मामेन्टो भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में सभी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र व मैडल देकर सम्मानित किया गया। प्राचीन गुरुकुल शिक्षा के मार्ग पर चलते हुए अन्नामलाई विश्वविद्यालय व अन्य विश्वविद्यालय ब्रह्माकुमारीज़ के साथ मिलकर मूल्य शिक्षा व अध्यात्म को बढ़ावा देने का एक अद्भुत कार्य कर रहे हैं। यह अभियान युद्ध स्तर का है जिसमें विभिन्न वर्गों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों के ज़रिए मूल्य शिक्षा दी जा रही है। मूल्य शिक्षा में डिप्लोमा, मूल्य शिक्षा में स्नातक तथा एम.बी.ए. कार्यक्रम शुरु किया गया है जिसमें अभी तक लगभग पाँच से सात हज़ार विद्यार्थियों ने मूल्य शिक्षा से लाभ प्राप्त किया है। इसके एम.बी.ए. पाठ्यक्रम में लगभग पंद्रह सौ विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की है। अभी तक लगभग 6-7 विश्वविद्यालयों ने ब्रह्माकुमारीज़ के साथ एम.ओ.यू. किया है जो इस पाठ्यक्रम को चलाने के निमित्त बने हैं। इसकी डिग्री पूर्णत: मान्य है। यह पाठ्यक्रम दस भाषाओं में संचालित किया जा रहा है जिसमें प्रमुख रूप से हिन्दी, अंग्रेजी, कन्नड़, उड़िया, तमिल, तेलगु आदि भाषायें सम्मिलित हैं।

आर.एम. चन्द्रशेखरन ने दादियों को मोमेन्टो देकर किया सम्मानित

राजयोग से आती है सच्ची नीति और राजनीति — दादी रतनमोहिनी

शांतिवन। ये भारत का नहीं अपितु पूरे विश्व का सबसे पवित्र स्थान है। आज तक हमने किसी भी आश्रम में इतना समय नहीं बिताया और समय बिताने के लिए चुना भी तो ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम को। हमारा उद्देश्य था कि हम अपने व्यस्त जीवन में से कुछ समय निकालकर शांति में व्यतीत करें, जो हमने किया और अभीभूत भी हुए। उक्त विचार उड़ीसा विधानसभा के सब-मिशन कमेटी के अध्यक्ष प्रभात रंजन विश्वाल ने अपने अनुभव में सुनाते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि निजी जीवन से कुछ समय निकालकर मेडिटेशन का अभ्यास करने की जरूरत है।

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने उड़ीसा विधानसभा से आए विधायकों के लिए आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा उद्देश्य देश व समाज का कल्याण करने का होना चाहिए। हमें सभी निर्णय इन्हें ध्यान में रखकर ही लेना चाहिए। इसमें राजयोग का अभ्यास हमें मदद करता व निर्णय लेने की क्षमता का भी विकास करता है।

उड़ीसा से आये विधायकों को दादी रतनमोहिनी ने ज्ञान चर्चा कर राजनीति के गुर सिखाए। साथ हैं ब्र.कु. मृत्युंजय।

राजनीति प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. उषा का कहना था कि हमें अपने मन को कमज़ोर नहीं, शक्तिशाली बनाना है। यदि हमारा मन कमज़ोर होगा तो हमारी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं रहेगी। इसके कारण हमारा शरीर भी स्वस्थ नहीं रहेगा, हमें बात-बात में गुस्सा आएगा और संस्कार चिड़चिड़ेपन वाले हो जाएंगे। सफलता तभी मिलती है जब हमारे मन में दृढ़ता होती है।

उड़ीसा के विधायकों ने देखी ब्रह्माकुमारीज़ की कार्य-प्रणाली, दादी से सीखे आध्यात्मिकता के गुर।

भद्रक जिला परिषद् के सदस्य ने कहा कि राजयोग को मैं अपने जीवन में अपनाऊंगा। यहां मुझे अच्छे कार्यों को करने की प्रेरणा प्राप्त हुई है। मैंने ऐसा अनुभव किया है कि जैसे मैं भगवान के घर में हूँ और परमात्मा सदा हमारे साथ है। यहां के वातावरण में प्रवेश करते ही मुझे दिव्य शक्ति की अनुभूति हुई है। सरल राजयोग आज के तनाव भरे जीवन में तनावमुक्त रहने के लिए आवश्यक है।

विधायकों ने आध्यात्मिक परिसर का किया अवलोकन

लगभग 25 विधायकों के इस सदस्यीय दल ने अपने पूरे परिवार सहित पीस पार्क, ज्ञानसरोवर, ग्लोबल हॉस्पिटल व ब्रह्माकुमारीज़ के नवनिर्मित स्थान सोलार प्लांट का भी अवलोकन किया। उड़ीसा विधानसभा के सभी विधायकों ने एक स्वर में कहा कि यहां की स्वच्छता, सादगी और पवित्रता से समाज को सीख लेने की ज़रूरत है। यहां का सादगी भरा जीवन, यहां की दिनचर्या और लोगों का सेवा भाव अनुकरणीय है।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510
सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - **9414006096, 9414182088,** Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक **190** रुपये, तीन वर्ष **570** रुपये, आजीवन **4500** रुपये । **विदेश - 2500** रुपये (वार्षिक)
कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/12-14, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2013-14, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 5th Dec- 2014
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.वी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।